अनन्तश्री "श्री" जी महाराज
को कोटिशः प्रणाम
स्वीकृत हों।
श्रीबाबू सीतारामजी
को जयशंकर
गोविन्द:

परिवार/अस्पताल से हुए
जन्म-मृत्यु का रजिस्ट्रेशन
कानूनन जरूरी है



BAREILLY 8-12-7

सेवा में

अनन्त श्री "श्री" जी महाराज
C/o
श्री बाबू सीताराम
बी ६६ मोतीबाग २
नई दिल्ली

पिन PIN

श्री बरेली

२८।१२।६६

परमपूज्य श्री बाबा महाराज

सादर चरणस्पर्श । सर्वकुशल

मस्तु मैं आज यहाँ बरेली आया हूँ। माताजी का स्वास्थ्य पहले से ठीक है परन्तु कमजोरी विशेष होने के कारण अभी भरतपुर में नहीं सकेंगे। आगे जैसा योग रहेगा सूचित करूँगा। श्री हरिप्रसाद जी बिलासपुर रहते है वैसे भरतपुर में सेवा में हाजिर हैं। आपको किसी भी प्रकार का कोई कष्ट नहीं होगा मैं ९ तारीख तक भरतपुर पहुँच जाऊँगा। माता जी आपको सादर प्रणाम कहते है तथा सभी पारिवारिक व्यक्तियों सभी को व आपको यथायोग्य अभिवादन। शेष कुशल

आपका बालक

—[illegible]

श्री बाबा महाराज को शताब्दी: जयशङ्कर
आपके घर सब ठीक है। पण्डितजी ने
आप को जयशङ्कर कह दिया है ज्योति
षीजी के नहीं जा सकता हूं / भवदीय:
रामजी वेदपाठी



वैद्य श्री वृहस्पति देव "त्रिगुण"
द्वारा - मिश्रा गोविन्द जी
मोगल रोड पो० जङ्गपुरा देहली
१४

श्री:। भरतपुर

२४।१२।५०

श्रीमान् मिश्राजी जयशङ्कर। पत्र आपका आया। मैं ने जो बात श्री बाबा महाराज से ऊँट के कीड़े के सम्बन्ध में कही थी बात तो नहीं है और मैं विशेष विवरण क्या लिखूं। इस औषधि का ज्ञान प्रारम्भ में श्री गिरिराज जी दूध वालों ने कराया था। मिलने पर दूध के साथ लिया था।

मेरी श्रीमती गिरादेवी इस समय [illegible] हो गई हुई

है। शेष शुभम्।

श्रीप्रधान मंत्री का। श्री वकील साहब का। जय
शंकर पहुंचे प्रधान मंत्री रात्री को घर पर ही
सोते थे अब नहीं आते हैं इनके घर पर इनकी
पत्नि गोपाल नारायण को। गये हैं और मेरे लाय
क सेना तक। आप का वतन आवेंगे सो लि
खना पत्र मेरे ने में विलंभ हुआ। सो क्षमा क
रना श्रीमती उमा शंकर भवानी शंक
र सारदा पारवती आदि घर से सब का। जय
शंकर पहुंचे दास कुसलाल नरसिंलाल
ल



श्रीमान
मि... शर्मा जी
वैद्य बृहस्पतिदेव त्रिगुणा
जोगल रोड़
जंगपुरा देहली

॥श्रीः॥ भरतपुर गोपालगढ़
ता० २.१२/६५

श्रीमान्
परमपूज्यनीय श्रीमिश्रजी महाराज को नत्थी
लाल का सादर नमस्कार स्वीकृत हो सर्वत्र
कुशलमस्तु पत्र प्राप्त हुआ आपकी आज्ञानु
सार जप प्रारम्भ कर दिया है सो मालुम करना जी
श्री परमपूज्य बाबाजी महाराज को चरणस्पर्श
करना श्रीमती भाभीजी को जयश्री कहना श्री
मास्टरीलालजी श्रीमती सुशीलादेवी जी
को आशीर्वाद कहना श्री पूज्य ज्योतिषीजी
महाराज श्री माजी ~~न~~ आशीर्वाद पहुंचे श्री
लाल चि. गिरीश्वर धर्मेश्वर आशुतोष संतोष
क्षमा अनुसूया आदि सब को यथा योग्य जय
शंकर पहुंचे गिरीश्वरजी की ओर नहीं आई है
भरतनजी की खांसी ठीक है और मा
जीन तरफ घर की तरफ से चिन्ता मत करना
श्री ज्योतिषीजी ने कृष्णा से कहा था वो कब तक
आवेगा सो मालुम करना श्री बाबूलालजी
[illegible]
को [illegible]
[illegible]

धर्मवीर व योगेश आनन्द
चैन से रहते हैं माँजी आशीर्वाद
देती है। चूड़ामणि के मत
भूल जाना जी। आपने पत्र में
श्री बाबा महाराज की तथा माँजी
की हैण्ड राइटिंग के बारे में
कुछ नहीं लिखा। तथा योगेन्द्र जी
की ग्रहदशा के बारे में भी विचार
करना। आपका भगवत् प्रसाद शर्मा

पोस्ट कार्ड





ॐ भरतपुर
20-12-60
6 बजे प्रातः

आदरणीय महोदय

सादर नमस्कार - श्री श्री १०८

श्री बाबा महाराज को मेरा साष्टांग
दण्डवत् प्रणाम स्वीकृत हो। आपके
पहिले पत्र का उत्तर किंचित् विलम्ब का
और [illegible] विवरण ही पढ़ने को
रहा था कुछ [illegible] गया था कि
मैं डाल दूंगा। पत्र के न पहुँचने का
आश्चर्य है। [illegible], [illegible] तथा
माजी [illegible] ठीक है [illegible]
आँख ठीक हो गयी है - काशी के
पता सब राजी खुशी है - श्रीबाबा
की [illegible] नहीं गये हैं [illegible] ने
उनका तबियत खराब हो गयी थी
किन्तु [illegible] गया की अब ठीक है
गुड्डी की तबियत ठीक है - [illegible]
[illegible] स्कूल पढ़ते हैं। प्रयाग
की ठण्ड नहीं जाती है आपके
[illegible] 30 दिस० [illegible] है
श्री [illegible] आपको तथा श्री
[illegible] बाबा महाराज को दण्डवत

प्रणाम निवेदन करते हैं। [illegible]
श्री विनोद [illegible] निवेदन करता है।

बाबा लालराज के मेरे, श्री
विश्वनाथसिंह जी, काशीश्वर
कोविदश्वर, को [illegible]
प्रयाग भेजी है। श्री
विश्वनाथसिंह जी आपको
नमस्कार। निवेदन करते हैं कि
आपके [illegible] के ता० 20.1
है। [illegible] कार्य से मेरा ... न ... पत्र
... को ... आना जी। आपका ...

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY
5 nP INDIA

मिश्र गोविन्द जी।
c/o
वैद्य श्री बृहस्पति देव त्रिगुणा
भोगल रोड़. पो. जंगपुरा
देहली नं० १४

सेवा में   श्री:।   भरतपुर

आदरणीय भाई साहब   ता. २६-१२-५८

प्रणाम

साष्टांग प्रणाम

आप का पत्र आया समाचार ज्ञात हुए धर्मवीर तथा कीरेश्वर तथा माँजी आनन्द है। काकी के यहाँ भी सब कुशल हैं श्री बाबूलाल जी की तबियत खराब हो गई थी उनके निमोनिया हो गया था दर्द बन्द है बुखार अभी नहीं उतरा है डाक्टर के इलाज हो रहे है। कीरेश्वर की आँख अब ठीक है। कमला की गाँठ ठीक हो गई है पं. रामस्वरूप जी घर नहीं जाते हैं। जैन साहब जी भरतपुर नहीं आये हैं मैं आपके माँजी आपको आशीर्वाद कहते है तथा धर्मवीर कीरेश्वर आपको दंडवत करते है तथा आपकी माँजी को दं. दंडवत प्रणाम करते है। आदरणीय श्री श्री १००८

"श्री"

समाराध्य महामहिम पूज्यपाद
श्री" जी महात्मा के पावन
पाद पद्मों में अनेकश: प्रणाम-
ञ्जलयो विलसन्तु तराम् । किंतु
दसों ही दिन की दिल्ली आवास
की अस्वस्थता भरतपुर आकर
समाप्त हुई है। प्रिय चक्रेश्वर भी
अभी स्वस्थ नहीं है आपको सादर
दण्डवत कर रहा है और सभी
आपको सादर प्रणाम कर रहे हैं
और योग्य [illegible]
गृहीत करेंगे। भवत्क:
धरणीधर:



प्रापक
श्रीमान् डा० कृष्ण दत्त जी शर्मा
सै० 8 ट ६४
रामकृष्णपुरम्
नई दिल्ली २२

...ायं ४ बजे श्री।चौबुर्जी-भरतपुर
५-१०-७३

श्रीमान्

परमादरणीय "श्रीब्रह्मजी" सादर जयशङ्कर। सर्वत्र कुशलमस्तु। अभी २ कृपा पत्र मिला। मैंने कुछ दो दिन पूर्व आपकी सेवामें "श्री" जीके समाचार जाननेकी इच्छा से पत्र लिखा था न जाने आपको क्यों नहीं मिला। मेरा स्वास्थ्य सुधारकी ओर है चिन्ताकी कोई बात नहीं है।

श्री माताजी की अस्वस्थता के कारण [illegible] घण्टे विकलता रहती ही है।

...हिणी का अन्धत्व बढ़ रहा है।

शेष कुशल है।

अनन्त श्री करुणासागर भगवान के चरण सरोरुहोंमें मेरे कोटिशः प्रणाम निवेदन करें। गोविन्द।

आजकल लखनऊ और धारणी दोनों ही रहे है दोनों ही अस्वस्थ होगये थे।

ज्ञात हो। आपकी आज्ञा से अर्थशास्त्र की
परीक्षा का अध्ययन प्रारम्भ आज से
ही कर दिया है। परीक्षा आगामी माह
अप्रैल में होने की तिथि अभी तक
निश्चित हुई है। आगे विश्वविद्यालय की
सूचना की प्रतीक्षा है। आगे परीक्षा कमी
हो। आपके आशीर्वाद से अवश्य श्रीश्री-फल
प्राप्त होगा। यह पूर्ण विश्वास है। आपकी
कृपा सर्व समर्थ है। दर्शन प्रतिदिन रात
करता रहता हूँ। बहुत आनन्द तथा शान्ति मिलती
है। अवशिष्ट आपकी दया, कृपा और आशीर्वाद है।
जय श्री श्रीजी महाराजजी।

आपका अपना ही पुत्र
(छोटेलाल)

पोस्ट कार्ड POST CARD
जवाबी REPLY
केवल पता ADDRESS ONLY



To
SRI. RATAN LAL JI AGRAWAL JI
Office Superintendent,
C 33 JANGPURA EXTENSION
NEW DELHI – 14
पिन PIN
(नई दिल्ली – 14)

॥श्री:॥ भरतपुर
दिनाङ्क 24-2-75
सोमवार।

सेवामें

अनन्त श्री श्रीजी महाराजजी के चरण-कमलों में कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। पत्र आपका यथा समय पर मिला और पत्र-विलम्ब के लिये क्षमा याचना है। पहिले श्री दुर्गाजी का पत्र आया था और आपका दिल्ली का पता पूछा था। उसके पश्चात उनका कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। आशा है कि श्री प्र०श० पुस्तक का प्रकाशन हो गया है ~~प्रथम~~ होगा। श्री एच०एच० की तरफ से "श्री सप्तपदीहृदयम्" का पुन: मुद्रण कराने का विचार चल रहा है। इसके लिये आपकी क्या आज्ञा है। वैसे उनकी ओर से पुस्तक मुद्रणालय में भेजी जा चुकी है।

श्री सियारामजी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का सूरौठ से पत्र आया है उन्होंने आपको जयशंकर निवेदन करने को लिखा है। स्वीकार करने की कृपा करें। माँजी का यथायोग्य जयशङ्कर ज्ञात हो। धर्मजी, डा०जी आदि २ का जयशंकर ज्ञात हो।

श्री [illegible] एवं

सप्रार्थना साष्टाङ्ग प्रणाम श्री-चरण कमलों में

पूज्यपाद "श्री जी" इस समय
कहां विराजमान हैं वहां का
पता आप हमें लिखें और कष्ट करें
तो आपकी अति कृपा होगी।

शेष

ओमप्रकाश
(स.न. ?)

मेरा पता

ओमप्रकाश शर्मा.
विभागीय तार घर
भरतपुर
321001



SHRI Ratanlal ji
Agrwal
House no 10
charge lane
Bhogal Jangpura
New Delhi 14

पिन PIN

श्री

Bharatpur
26.11.77

आदरणीय श्रीमान् जी

सादर जयशंकर

आपके लिए मैं अपरिचित व्यक्ति अवश्य हूं लेकिन आपको पत्र लिख रहा हूं। पूज्य श्री "श्री जी" महाराज का हमें अभी तक कोई समाचार नहीं मिला है। पूज्य श्री नाक जी (पंडित जी) आजकल बरेली शादी में गये हैं अतः श्री "श्री जी" महाराज का पत्र आये तो आप हमें भी सूचित कर देना तथा यदि श्री नाकजी के नाम आप कोई पत्र डालें तो आप बरेली डाल सकते हैं उनका पता इस पत्र में लिख रहा हूं। शेष सभी प्रिय जनों को हमारा जयशंकर कहना। शेष कुशल है यदि पूज्यपाद "श्री जी" महाराज को पत्र लिखें तो हमारे भी कोटिशः प्रणाम लिख देना।

बरेली का पता -

त्रुटि के लिए क्षमा

[illegible]
26.11.77

पण्डित श्री [illegible]
C/o श्री हरिप्रसाद खण्डेलवाल
351 ललिता महाराज का अखाड़ा बरेली Bareilly (UP)

लेकिन कोई काम नहीं करते हैं यहाँ पर
सभी प्रेमीजनों को पूज्य श्री ताऊजी को
एवं यहाँ से सभी प्रेमियों को जयश्रीकृष्ण
स्वीकार हो। जयपुर से श्री पप्पू जी
की नौकरी लग गयी है वह आजकल
उदयपुर में है

शेष शुभ

दासानुदास
ओमप्रकाश

सेवा में,
श्रीमान श्री "श्रीजी" महाराज
C/o श्री सीताराम जी
B-66 मोतीबाग
साउथ एक्सटेंशन-2
नई दिल्ली
पिन PIN
NEW DELHI



श्री भरतपुर
6.11.80

अनन्त श्री "श्रीजी" महाराज के
पूज्यपाद पदाविन्दो मे दासानुदास
के साष्टांग दण्डवत स्वीकृत हो।
मैं आज ही यहां आया हूँ, यह तो पहले पत्र से
ही विदित हो गया होगा कि आजकल जयपुर
मे ही हूँ। आते ही पूज्य श्री लालजी ने कहा
कि तुमने बाबा महाराज को पत्र लिखा था नहीं
क्योंकि अभी तक आपके कुशल समाचार
प्राप्त नहीं हुये हैं. उनके कोटिश: साष्टांग
प्रणाम स्वीकृत हो। कुशलता का पत्र
अवश्य डलवादिया करें, पूज्य श्री बुआजी
को भी कोटिश: दण्डवत स्वीकृत हो।
श्री वल्लो भाई सहाय श्री धर्म जी
सेठ जगन्नाथ जी एवं श्री हनुमानसिंह जी
आदि सब के जयशंकर स्वीकृत हो।
इन दिनो श्री पंडित मोहिनी-प्रसाद
जी का भी कोई कुशल पत्र नहीं
आया है क्या उनकी श्रीमती जी का पता
चला या नहीं उनके समाचार जानने
की इच्छा है।

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY





पूजनीय श्री स्वामी अमृतवाग्भवाचार्य

द्वारा श्री कस्तूरीलाल आनंद
आनंद भवन
सी - ३/N.H. 5
फरीदाबाद टाऊनशिप
दिल्ली (हरियाणा)

श्री

पूना
2-3-60

परमपूजनीय श्री जी. को विश्वनाथका
साष्टांग दंडवत्.

आपका कृपापत्र मिला. यहा सब कुशल है. श्री पारखेजी दि. १४, १५, १६ मार्च को दिल्ली आनेवाले है. ग्रांड हॉटलमेंही रहेंगे. आपके दर्शन करनेकी इच्छा है. आपके आज्ञानुसार आज मनी ऑर्डर से रुपया भिजवादिया है. कृपया पत्र भेजें.

आपका कृपाभिलाषी
विश्वनाथ सावळापूरकर

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY



Shri Amrit Vagbhavacharya,

F 183 Krishna Kumar Anand

Ashok Anand, Manas Sarovar

Garden, near Ramesh Nagar,

NEW DELHI

श्री - पूना

दि० १६-११-५८

पूजनीय श्री स्वामीजी

साष्टांग दंडवत्.

श्रीमान पारखेजी, सुधाकर, प्रकाश, सदावर्ते तथा मैं - दि० १ दिसंबर १९५८ रोज दिल्ली पहुंच रहे है - होटल ब्रॉडवे मे ठहरेंगे - ३/४ रोजका प्रोग्राम है - आपके दर्शन अवश्यही करेंगे - ब्याजका रुपया साथमेंही ले आवेंगे -

आपका कृपाभिलाषि -

वि - मा - सावळापूरकर -

श्री.   पूना.

दि. 20 मई. १९६०

पूजनीय श्री जी

साष्टांग दंडवत्

इसके पूर्व भेजा हुवा पेश पत्र आपको मिलाही होगा. साथमे [illegible]मंत्रण पत्रिका भेज रहा हूं. कृपया अवश्य पधारे [illegible] कुछ (१०) पत्रिकाये भेजी है. इष्ट मित्रोंको बटवानेकी [illegible] व्यवस्था हो.

आपका -

विश्वनाथ सावलापूरकर

श्री

पूना
दि० १३-१०-७५

पूजनीय श्री जी ——

साष्टांग दंडवत् -

कई दिनोंसे आपकी ओरसे समाचार नही मिला. आपने सूचित किये पत्तेपर हर माह आपको ब्याजकी रकम मनि ऑर्डर द्वारा भेजी जाती है. आपको ठीक रुपया मिलता होगा- कृपया पत्रोत्तर दिजीये. उत्कंठा लगी है.

परम् सद्‌गुरु श्री गजानन महाराज नवंबर आखरीमे श्री कुरुक्षेत्र जाने वाले है. जीन के बारे मे कुछ जानकारी चाहिये- वह कोनसे ५ कुंड है जहा परशुरामने फरसा धोयाथा. महाराजजी जब दिल्ली पहुंचे उस वख्त यदि आप वहा रह सके तो अच्छा होगा.

बाकी सर्व क्षेम-

आपका
विश्वनाथ सावळापूरकर

इन का पता यह है
Shri V. M. SAVALAPURKAR
PAPER AND PULP CONVERSIONS LTD
1183 SHIVAJINAGAR POONA 411005



INDIAN POSTS AND  TELEGRAPHS DEPARTMENT

C 21

Parthasarathi

Class Prefix } X Code 1430 No. C

Recd. from 1625 29 By

Sent at — H. — M. To — By —

Office-stamp

Received in at (Office of Origin)	Date	Hour	Minute	Service instructions	Words
AB meeru	Delhi			6/6	20

To

Hari Ram ...

Recd. here at H. M.

Received ... note

Parthasarathi's letter posted

requests Swamiji

to wait = Shivraj

17042 P and T—Govt. Press, Chd.

(T-30-5/53)

C. No. 142

Date Stamp 6/

Rast Pati Bhawan
Sri E Sidl Or. 13
Block N. 10
President's Estate

Time of { Booking
Receipt

From

By

The sequence of entries at the beginning of this telegram is— class of telegram, time handed in, serial number, office of origin, date, service instructions (if any) and number of words.

This form must accompany any enquiry respecting this telegram.

SECOND FOLD

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

TELEGRAM

X

Address

18/20

SHRI PANDIT SHIVARAJ BHARDWAJ
NO 13 RASHA PATI BHAWAN ND 4

Shri E Sidh

TO OPEN CUT HERE

FIRST FOLD

X 1135 ATLX 22 POONA 13 RST C I D 32
PARKEHJI DESIRES TO MEET SHRI SWAMI AMRIT RAGBHAVACHARYA KINDLY
WIRE HIS WHEREABOUTS -SAVALAPURKAR PAPCOMILLS
-285 -2213 RASTA PATI 4

MGIPAH.—3.5—25-11-72—15,00,000

Shri
Swami Shri ji not at Delhi

~~I ... to convey your message.~~

'Phone : 27214 & 27215 55090
'Grams : PAPCOMILLS

Paper & Pulp Conversions, Limited,

~~Regd. Office : 376 SHUKRAWAR PETH, POONA 2 (INDIA).~~

Regd. Office : 1183, Shivajinagar, F. C. Road, Poona 5,

११६५.   दि. २७ सप्टेंबर, १९६९.

परमपूजनीय श्रीजी के चरण सेवामे

साष्टांग दंडवत,

श्री. पारखेजीके सूचनानुसार लोन बॉण्डमे आपके नामके साथ मेरा नामभी लिख दिया है. साथमे आपके व मेरे जाईंट नामपर कंपनीका अेक शेअरभी ले लिया है. ब्याजका रुपया आपके सूचनानुसार भिजवानेमे सहुलियत होगी, इसलिये यह व्यवस्था की है.

अगले सप्ताहमे श्री. पारखेजी दिल्ली आनेवाले है. आप जिसप्रकार सूचना देंगे असी तरह मासिक, अथवा त्रैमासिक ब्याज भिजवा सकेंगे.

आपका कृपाभिलाषि,
विश्वनाथ
(वि.मा. सावळापूरकर)

श्री. अमृत वाग्भवाचार्य,
द्वारा अेफ् १८३, कृष्ण कुमार आनंद,
अशोक आनंद, मानस सरोवर अुद्यान,
रमेशनगर नजिक,
नई दिल्ली.

अेस्/जे.

व्यावसायिक, कुटुंबीय तसेच
वैयक्तिक विचारांचे काहूर
उठले असतां, आत्मीयतेने
ओथंबलेला आपला समाचार
आणि असंख्य परिचित
अपरिचितांनी व्यक्त केलेल्या
भावना आम्हा सर्वांच्या नित्य
स्मरणांत राहतील.

ग. स. पारखे

२९।१।७३

अनुमती पत्र

नांव

कर्जरोखा नं. रक्कम रुपये

मुदत व्याज़ाचा दर

वर निर्दिष्ट केलेल्या कर्जरोख्याची आम्ही नव्या व्याजाचा फायदा घेण्यासाठीं यापुढें वर्षांसाठीं व्याजाचे दरानें मुदत वाढवून देऊं इच्छितों. तरी हीच अनुमती समजून तशी नोंद करून योग्य ती दुरुस्ती केल्याची पुस्ती कर्जरोख्यास जोडण्यासाठीं पाठवावी.

सध्या आमचे जवळ कंपनीचे शेअर्स आहेत (R.F.No.) अधिक शेअर्स घेण्यासाठीं अर्जाचा योग्य तो फॉर्म पाठविणें.

आपला । आपले,



To,

पेपर ॲण्ड पल्प कन्व्हर्शन्स, लिमिटेड,

११८३ शिवाजीनगर, फर्ग्युसन कॉलेज रोड, पुणें ५.

M. S. PARKHE

376, Shukrawar Peth,
POONA 2.

श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न.

दि. ६-११-१९६२.

परम पूज्य श्रीजी के चरणोमे -
साष्टांग दंडवत्

परशुराम स्तोत्र के विषयमे सेठ श्री लक्ष्मी चंदजीसे कुछ पत्र व्यवहार हुआ व कारणवश पं. गोविंदजीका परिचय तथा आपके दर्शनका लाभ हुआ अिस लिअे मै अपने आपको बहुत धन्य समझता हूं.

भरतपूरसे समाचार यदि कुछ दिन पूर्वहि प्राप्त हो सकता तो आपके सन्निध कुछ समय अवश्य व्यतीत करनेका निश्चय करता. १/१॥ घंटिकीही आपकी भेटमे आपने मेरे समीप ज्ञानभंडार खोल दिया था.

शरीर स्वास्थके लिअे आजकल आप दिल्ली आये हुअे है. आप यदि कुछ समयके लिअे पूना या खोपोली आनेका विचार करे तो यहांकी मोसम मे आपको आराम मिलकर स्वास्थ प्राप्त हो सकेगा. आप अिस विभागमे शीघ्रही आनेका विचार किजीअे अैसी आपको मेरी बिनती है. आते समय यदि श्री पंडितजी तथा श्री लक्ष्मीचंदजी आपके साथ पधारेंगे तो आपका यहाका वास्तव्य औरभी आरामदाअी होंगा. आपके यहां आनेके कार्यक्रमके विषयमे अवश्य लिखीये. आपका पत्र प्राप्त होतेही यथा योगूय व्यवस्था करुंगा.

आजही आपके पास भगवान परशुराम की कुछ तसवीरे अक्कलकोट के श्री स्वामीजिकि चरित्रका विशेषांक तथा अेक अंग्रेजी पुस्तक "अिन सर्च ऑफ हॅपीनेस" भेजी है. कृपया स्वीकार हो.

आपके यहां पधारने के पश्चात् भगवान परशुराम के कार्य संबंधी अधिकतर जानकारी आपसे प्राप्तकर कुछ जानकारी टेप रेकॉर्ड करना भी संभव होगा. आपके यहां आनेके कार्यक्रम के विषयमे अवश्य लिखनेकी कृपा किजीये.

भवदीय.
मपारखे
(म.स. पारखे.)

श्रीमद् अमृत वागूभवाचार्य,
व्दारा श्री बी.डी. बक्शी,
ऑफीस सुपरींटेन्डेट्,
हिन्दुस्थान हाअुसिंग फॅक्टरी,
जंगपूरा,
नअी देहली - १४

पा/जोशी.

पेपर ॲण्ड पल्प कन्व्हर्शन्स, लिमिटेड,

रजिस्टर्ड ऑफिस : ११८३ शिवाजीनगर, पुणें ५ (महाराष्ट्र).

फोन : ५५३०१ व ५५३०२ टेलिग्रॅम्स : पॅपकोमिल्स पुणें.

दि. १८ मार्च, १९७१.

क्र. डी।१

सप्रेम नमस्कार वि. वि.—

गेल्या कांहीं दिवसांत बँकांच्या व्याजाच्या दरांत झालेली वाढ लक्षांत घेऊन ठेवीवरील किंवा कर्ज-रोख्यावरील सध्याचे व्याजाचे दरांत उचित असे बदल करावेत किंवा कसे, याचा आम्ही अभ्यास करीत होतो. महाराष्ट्रांतील कांहीं प्रतिथयश कारखानदारांचे व आमचे व्याजाचे दर गेली कित्येक वर्षे सारखेच आहेत. तथापि कांहीं कारखानदारांनीं व्याजाचे दर वाढविण्याचे ठरविलेले आमच्या निदर्शनास आले आहे. या विषयाचा सर्व बाजूंनीं विचार करून आम्ही खालील योजना आंखली आहे. त्यांतून हितावह वाटणारा पर्याय आपणांस निवडता येईल अशी खात्री वाटते.

	सध्याचे दर	— सुधारलेले दर —		
मुदत वर्षे	सर्वांसाठीं द. सा. द. शें.	ठेवी व संचालकांनीं हमी दिलेल्या कर्ज-रोख्यावर द. सा. द. शें. (१)	५ पेक्षां कमी भाग घेऊन गुंतविलेल्या कर्ज-रोख्यावर द. सा. द. शें. (२)	किमान ५ भाग घेऊन गुंतविलेल्या कर्ज-रोख्यावर द. सा. द. शें. (३)
१	७	७	७॥	८
२	७॥	७॥	८	८॥
३	८	८	९	९॥
५	९	९	१०	१०॥
८	९॥	९॥	१०॥	११
१०	१०	१०	११॥	१२

खाजगी मालकीच्या व्यवसायाचे इ. स. १९४२ सालीं मर्यादित जबाबदारीच्या भागधारकांच्या व्यवसायांत रुपांतर झाल्यापासून विनाखंड आम्ही भागधारकांना फायदा वाटला आहे. तेव्हां भागभांडवलांत ज्यांनीं पैसे गुंतविलेले आहेत त्यांना त्यावर मोबदलाही मिळाला आहेच. पण किमान ५ भाग ज्यांनीं घेतले आहेत त्यांनाच कर्ज-रोख्यावर निदान ½ टक्का तरी अधिक व्याज देण्याचा उद्देश भागधारकांना वेळोवेळीं जी माहिती पुरविणे असते व जो पत्रव्यवहार करावयाचा असतो त्या निमित्त होणारा किमान खर्च पाहतां भागधारकांची कंपनीचे भागभांडवलांत किमान ५०० रु. ची तरी गुंतवणूक असावयास हवी हे अलिकडील अनुभवावरून दिसून आले.

[मागे पहा.

आपण कंपनींत भाग-भांडवलांत ५०० रु. पेक्षां कमी रक्कम गुंतविली असेल तर ती ५०० रु. पयत वाढविणे वाढत्या व्याजाचे दृष्टीनें आपणांस किफायतशीर ठरणार आहे हे निराळे लिहिणें नकोच. कंपनीच्या एका शेअरची दर्शनी किंमत रु. १००।– आहे.

रिझर्व बँकेची ठेवीवर नियंत्रणें आल्यानें यापुढें भागधारकाकडून कर्ज घेण्यावर भर द्यावा लागेल. तेव्हां नव्या वाढलेल्या दराचा फायदा घेण्यासाठीं आपणांस विनंती कीं, यापुढें जेवढ्या मुदतीपर्यंत आपणांस कर्ज-रोख्यांत रक्कम गुंतविता येईल तेवढी गुंतविण्याचे ठरवावे.

आपणाजवळ कंपनीचे ५ पेक्षां कमी भाग असल्यास अधिक भागांसाठी अर्ज करून निदान आपले ५ भाग तरी होतील असे बघावे व व्याज वाढीच्या संधीचा फायदा घ्यावा व त्याचप्रमाणे आपल्या ठेवपावतीचे कर्जात अधिक मुदतीसाठी रूपांतर करून किंवा कर्ज-रोख्याची मुदत वाढवून नवीन दरांचा फायदा आपणांस घेतां येईल.

आपला निर्णय आम्हांस आपण त्वरित व कोणत्याहि परिस्थितींत ३१ मे १९७१ पूर्वी कळवावा म्हणजे आपल्याला वाढलेल्या व्याजाच्या दराचा फायदा आम्हांस दि. १ फेब्रुवारी १९७१ पासून देता येईल.

आपण जाणतांच कीं कंपनीनें भागभांडवल स्टॉकएक्सचेंज वर नोंदविलेले आहे. त्यामुळें भागभांडवलाची देवाणघेवाण होऊं शकतें. पण आम्हीं आपणांस भाग घेण्यासाठीं आग्रह केला असल्याने कर्ज परत घेतेवेळीं जर आपणांस आपले भाग विकावयाचे असतील तर त्यासाठीं अवश्य सहाय्य करू. जुने कर्ज देणारे ज्यावेळीं पैसे घेत असतात तेव्हां नवी गुंतवण करणारे देखील असतात त्यांना आपले भाग घेण्याची आम्हांस विनंती करता येईल.

आपणांस कंपनीच्या व्यवहाराचा अनुभव आहेच. आम्ही अधिक लिहावयास हवेच असे नाहीं.

आपण नव्या व्याजाच्या दराचा फायदा घेण्याचे ठरविले तर सोबतचे अनुमती पत्र लिहून पाठवावे. म्हणजे आपले कर्जरोख्यांत योग्य दुरुस्तीवजा पुस्ती जोडण्यासाठीं पाठवू. कळावे ही विनंती.

आपला

[signature]

मॅनेजिंग डायरेक्टर

श्री. पूना

दि० ५-८-७०

श्री. पूजनीय स्वामीजी

साष्टांग दंडवत्.—

आपका कृपा पत्र प्राप्त हुवा. हम सब यहा खुशहाल है. आपका फरवरी व आगस्त ७० का व्याज मेरेपास जमा है. आपके सूचनानुसार भिजवानेकी व्यवस्था करूंगा. किस पत्तेपर भेजू यह कृपया सूचित करे.

पारखेजी दुसरे या तिसरे सप्ताहमे दिल्ली आवेंगे. आपके दर्शन कि इच्छा है.

आपका

विश्वनाथ सावळापूरकर

'Phone : 27214 & 27215 55090
'Grams : PAPCOMILLS

Paper & Pulp Conversions, Limited,

~~Regd. Office : 376 SHUKRAWAR PETH, POONA 2 (INDIA).~~

Regd. Office : 1183, Shivajinagar, F. C. Road, Poona 5,

834 September 13, 1969

Dear Shri Anandji,

Your letter dated 10th September 1969 addressed to Shri Parkheji has duly been r eceived. Shri Parkheji is likely to visit Delhi by the end of this month and is desirous of meeting Shri Swamiji. I will let you know the exact date of his visit to Delhi. We hope Shriji will be there then.

Kindly convey Shri Parkheji's Pranam to Shriji.

With regards,

Sincerely yours,
Vishwanath
V. M. Savalapurkar

Shri K.L. Anand,
Anand Bhavan
C-3, N.H.5.
Faridabad N.I.T.

vms/yvs.

श्री.   पूना

दि० १६-५-६०

पूजनीय श्री जी

साष्टांग दंडवत्-

बहुत दिनोसे आपकी ओरसे समाचार प्राप्त न हो सका. कृपया पत्र लिखकर खुशहाली दे. आपका ३० रुपये अरनेर का ब्याज मिलवाना है. अभी इसने अपने पास रखा है. आपकी सूचना पातेही मिजवा देंगे.

परमपूज्य श्री गजानन महाराजजी की सुपुत्री-चि. पुष्पाका विवाह दि. ३१ मई को निश्चित हुवा-है. औरंगाबादके श्री गोपीनाथराव चौधरी के सुपुत्र चि. आनंदसे निश्चित हुवा है. कार्य पूनामेंही होगा. आपको निमंत्रण पत्रिका अलग-डाकसे भेजी जा रही है. वधूवरको आशीर्वाद-देनेके लिये आपकी उपस्थिती आवश्यक है. कृपया आनेका कार्यक्रम निश्चित करें.

यहा सबलोक राजीखुशी है.

आपका

विश्वनाथ सावळापूरकर

श्री   पूना

दि ४-११-६०

परम पूज्य श्री स्वामीजी
साष्टांग दंडवत्

आपका कृपापत्र प्राप्त हुवा. श्री पारखेजी दि ६ व ८ नव्हेंम्बर को दिल्ली रहेंगे. आपके दर्शन फरिदाबादमे अवश्यही करेंगे. ९ ता- के सुबहके विमानसे बंबई वापस लौटेंगे.

आपके ब्याजका रुपया इन्हीके साथ भिजवाऊंगा. यहा सब कुशल है. आपका आशीर्वाद रहे यही बिनती

आपका
विश्वनाथ सातआनुरकी



Paper & Pulp Conversions, Limited

1183 Shivajinagar, Fergusson College Road, POONA 411 005,
Phone : 55301, 55302 Grams : PAPCOMILLS.

१८२५ दिनांक :२५/२/१९८०

पूजनीय श्री जी को

विश्वनाथ सावव्यपूरकरका साष्टांग दंडवत,

सर्व क्षेम कुशल। बहुत दिनोसे दिल्ली आना न हुवा। श्री॰ प्रकाशजीसे पत्ता चला कि, उन्हे आपके दर्शनका लाभ प्राप्त हुवा। आपने कुछ पत्र लिखे किन्तु यहातक पहुचे नही।

आपकी रकम रूपया ८५००/- जो हमारे कंपनीमे जमा है, उसका व्याज रूपये १०२=७० नियमित रूपये आपके पतेपर भेजा जाता है। श्री॰ प्रकाशजीसे पता चला कि, आपकी रकमका कोई एक न्यास करनेकी आपकी मनिशा है और उसकी आमदनीमेसे किसी संस्कृत विषयके विद्यार्थीको अनुदान दिया जाय ऐसीभी आपकी इच्छा है। आपकी इच्छानुसार आपकी रकमका विनियोग अथवा उपयोग करनेमे कोई कठिनाई नही।

आपसे भेट करके इस विषयमे कोई योजना बनाई जा सकती है।

आपका कृपाभिलाषी,

[signature]

(विश्वनाथ सावव्यपूरकर)

/सुनका



Paper & Pulp Conversions, Limited
1183 Shivajinagar, Fergusson College Road, POONA 411 005,
Phone : 55301, 55302 Grams : PAPCOMILLS.

१८३०. फेब्रुवारी २६, १९८०.

पूजनीय श्रीजीको

प्रकाश पारखे का साष्टांग दंडवत.

सर्व क्षेम कुशल. हालहीमे मै जब दिल्ली आया हुवा था तो अुस समय आपसे मिलनेका सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ था. यहा सब लोग क्षेम कुशल है.

आपकी रकम जो हमारे कंपनीमे जमा है, अुसका कोअी न्यास करनेकी आपकी मनिषा मैने श्रीमान सावलापूरकरजीको बतलाई है.
श्री. सावलापूरकरजी आपको इस विषयमे सविस्तर पत्र लिख रहे है.
अुसके अनुसार संस्कृत भाषाका अध्ययन करनेवाले सज्जनोंको अनुदान स्वरुप इस रकम का विनीयोग करनेकी अुचित योजना श्री. सावलापूरकरजी आपसे मिलकर शीघ्रही बनवायेंगे.

आपका कृपाभिलाषी,

(प्रकाश पारखे)

महामहिम्न श्री स्वामी अमृत वाग्भवाचार्यजी,
०दारा : श्री सीतारामजी,
मोतीबाग, क्वार्टर बी-२/६६,
नई देहली.

अेन/जे.

M. S. PARKHE

376, Shukrawar Peth,
POONA 2.

दि. १२-७-१९६२.

श्रीमान सेठ श्री. लक्ष्मीचंदजी,

सादर नमस्कार, आपने परशुरामस्तोत्र की १२५ प्रतियाँ व अन्य ग्रंथ अगत्य से भेजे अुसके लिये मै आपका अत्यंत आभारी हूँ. अुन्हे श्रद्धावान मेरे भगवान परशुराम के कार्य के प्रति आस्था रखनेवाले लोगों को बाँटने की व्यवस्था कर रहा हूँ.

आपने भेजे हुअे ग्रंथो में श्रीमद्धर्माचार्य प्रणीत श्री पंचस्तवी यह काव्य पढकर अत्यंत संतोष हुआ. अिस काव्य का संपादन करके महामहिम अमृतवाग्भव आचार्यजीनें अिस जगत पर बडा भारी अुपकार किया है. अुनके समस्त प्रकाशनों को देखकर अुनके दर्शन की प्रबल अिच्छा हो रही है.

अिस ग्रंथ की कम से कम ५ प्रतियाँ मुझे अवश्य चाहिये हैं. यदि आपके पास अुपलब्ध हो सकें तो अुत्तम ही है अन्यथा सोलन या और जहाँ कहीं अन्यत्र अुपलब्ध होंगी अुसका पत्ता मुझे देनें की कृपा करें. "भगवान परशुराम का अवतार कार्य" अिस मेरे भाषण का हिन्दी अनुवाद तैयार हो रहा है. अुसकी प्रतियाँ भी अवश्य भेजूंगा.

जिस प्रदेश मे परशुरामजी को अथवा त्रिपुरसुंदरी को अिष्ट देव माना जाता हो अुस प्रदेश में जाअूं, आप जैसे महानुभावों के दर्शन करुं अैसा विचार मन में आता है. अतः महामहिम अमृतवाग्भवाचार्य के दर्शन कहाँ हो सकेंगे अिसकी सूचना यदि आप दें तो मेरी अेक अुत्कंठा पूर्ण हो जावेगी. पत्रद्वारा प्रारंभ हुआ परिचय दिन प्रति दिन बढता जावे यही अिच्छा है.

भवदीय
म स पारखे
(म.स. पारखे.)

सेठ श्री. लक्ष्मीचंद,
गंगा मंदीर,
भरतपुर (राजस्थान)

/जोशी.

उत्तर दिया गया
22-6-62
को.

श्री पुना

दि० ७-२-६९

परम पूजनीय श्री स्वामीजी
साष्टांग नमस्कार -

आपका दि० ४-२-६९ का श्री पारखेजीको लिखा हुवा पत्र मिला. आपको कुछ चोट ~~आप~~ आई सुनकर चिंता हुई. विश्वास है आप अबतक बिलकुल ठिक हो गये होंगे. श्री पारखेजी १२ तारीख दरम्यान दिल्ली आनेवाले थे किंतु वहाँकी मिटींग स्थगित कर दि गई है. वह मिटींग अब दि० १८ व १९ को बंबई मे होने वाली है. श्री पारखेजी की तथा हम सबकी तीव्र इच्छा है कि आप यज्ञके समय यहाँ अवश्य पधारे. २/३ दिन पहिलेही श्री बक्षीजीको एक पत्र भेजा है. श्री पारखेजी सूचित करते है कि, आप किसीको साथ लेकर यहा चले आंवे. दिल्लीसे निकलनेकी तारिख निश्चित होजानेपर हमे सूचित करें ता कि, आपके तिकिट तथा सफर की व्यवस्था करसकें.

श्री पारखेजीकी परशुराम कुंड यात्रा कुशली सफल रही. आप यज्ञके समय आनेका निश्चय अवश्यही किजीये. यदी हममेसे आपमेसे कोई दिल्ली ~~यहाँ~~ उस समय आनेवाला होतो आपको तार द्वारा सूचना अवश्य देंगे.

आपके आशीर्वादसे यहा सब कुशल है.

आपका
विश्वनाथ.

Swami
Sri Avadhutendra Saraswati
C/o. B. S. Prakasa Rao garu
Telephone Exchange,
TADEPALLI GUDEM. (West Godavari)
(Andhra)

श्री अवधूतेन्द्र सरस्वती c/o.
... प्रकासा राव गारु
टेलीफ़ोन एक्सचेंज - ताडीपाल्ली गुडेम (पं गोदावरी, आंध्र प्रदेश)

'Phone : 56014, 56015
'Grams : PAPCOMILLS

Paper & Pulp Conversions, Limited,

Regd. Office : 376, SHUKRAWAR PETH, POONA 2 (INDIA).

858 February 5, 1969

My dear Bakshijee,

During his last visit to Delhi, Shri Parkheji had told Shri Swamiji that he would be visiting Delhi around 12th of this month for a meeting. The venue of the meeting, however, has been changed and will now be held in Bombay. Shri Parkheji has, therefore, cancelled his visit to Delhi.

Shri Parkheji had expressed the desire at that time that Shri Swamiji should accompany him to Poona and stay with him till the Soma-Yajna. Now that his visit has been cancelled, I would request you to take the trouble of contacting Shri Swamiji and to enquire whether it could be possible for him to come along with some body as escort. After hearing from you we shall make necessary arrangements for his journey.

In case, however, some one of us is likely to visit, I shall wire you.

With regards,

Sincerely yours,

V. M. Savalapurkar.

Shri V.D.Bakshi,
Hindustan Housing Factory,
Jung Pura,
NEW DELHI.

vms/yvs.